- मास्टर प्लान के देल गेल अंतिम रूप
- मंजूरी लेल सरकार लग पठाउल गेल
- आम लोकक आपत्ति निबटाउल गेल
- 140 सं 340 वर्ग किमी मे पसरत शहर
- 700 एकड़ जमीन हायेत अधिग्रहित
- विकसित होयत 90 टा नव मोहल्ला
- शहर में प्रवेशक लेल बनत तेसर बाइपास
- सेटेलाइट टाउनशिप से होयत विकास
- पुरान मकान आ दुकान सजाउल जाइत
- जगहरक अनुसार सड़क चौड़ा केल जायत
- सब मोहल्ला में हायत पार्क आ पार्किंग
- अशोक राजपथ चारि लेन के बनत

बसय लेल एक बेर फेर उजरत पटना

पटना : पटना एक बेर फेर बसत. नव रूप स बसेवा लेल पटनाक किछु हिस्सा उजरि जैत. ओना इ योजना एखन सरकार लग अछि मुदा जल्दहि जमीन पर उतरि जायत. योजनाक अनुसार ग्रेटर पटना ग्रेट पटना स तीन गुना बेसी पैघ होयत. दानापुर स फतुहा आओर हाजीपुर स बेउर नहर पार तक बसेइवाला नव शहर मे 90टा नव मोहल्ला बसाउल जायत. भूमिगत नाला आओर भूमिगत बिजलीक तार लगैवाक काज आरंभ अछि. योजनाक अनुसार शहर स रोजाना निकलैयवाला 80 टन कचराक प्रबंधन विशेष व्यवस्था केल जा रहल अछि. कचरा के एक ठाम जमा करि ओकरा स किछु बिजली बनेवाक सेहो योजना अछि एहि लेल पटना-गया मार्ग पर जमीन ताकल जा रहल अछि. शहर के सुव्यवस्थित करवा लेल अशोकराजपथ सहित अनेक एतिहासिक जगह के बदलल जैत. किछु सरकारी मकानक रूप रंग सेहो बदलि जायत. ओनाओ पटना कालेज आ दरभंगा हाउस आब नव रूप मे देखल जा सकैत अछि.

योजना मे झुग्गी-झोपड़ी में रहनीहार लोक लेल विशेष जगह अछि. गरीब लोक लें खास प्रकारक मकान बनाउल जैत. इ मकान हर इलाका मे बनत, जाहि स गरीब जहि इलाका मे रहैत अछि ओहि इलाका मे ओकरा मकान भेटि जैत.

योजना मे बाजार लेल स्पष्ट नीति बनाउल गेल अछि. तरकारी लेल सब मोहल्ला मे विशेष बाजार बनत, जखन कि एकटा टर्मिनल बतन जतय थोक मात्रा मे तरकारी बेचल आ किनल जायत. एहिना फुटपाथ पर लगैयवाला बाजार खत्म केल जायत. एहन दुकानदार लेल राजधानीक किछु इलाका मे वेंडर मार्केट बनत. एहि लेल किछु स्थान के चयन केल अछि.

आब सवाल उठैत अछि जे नव शहर के बसाउत निजी बिल्डर या फेर सरकार. सरकार एखन धरि राजेंद्र नगर आओर कृष्णापुरी बना चुकल अछि. कंकड़बाग एकटा एहन योजना रहल जे शुरू होइ स पहिने असफल भ गेल. राजेंद्र नगर आओर कृष्णापुरी आदर्श नहीं कहल जा सकैत अछि. एहन में अगर फेर सरकार नव पटना के बसेबाक सोचि रहल अछि त ओकर स्वरूप तय अछि. नव पटना के बसेवाक जिम्मा अगर निजी बिल्डर के देल जैत त आशा करिसकैत छी जे दिल्ली आओर बेंगलुरु सन मोहल्ला पटनो में बनत. देशक पैघ बिल्डर एहि काज लेल तैयार छैथि. उम्मीद केल जा रहल अछि सरकार एहि संबंध में जल्द फैसला लेत.

> सवाल उठैत अछि जे नव शहर के बसाउत ? निजी बिल्डर या फेर सरकार. सरकार एखन धरि राजेंद्र नगर आओर कृष्णापुरी बना चुकल अछि. कंकड़बाग एकटा एहन योजना रहल जे शुरू होइ स पहिने असफल भ गेल. राजेंद्र नगर आओर कृष्णापुरी आदर्श नहि कहल जा सकैत अछि. एहन मे अगर फेर सरकार नव पटना के बसेबाक सोचि रहल अछि त ओकर स्वरूप तय अछि.

अधिग्रहण

- एक हजार एकड़ दानापुर के शिवालय चौक के पास
- 34 सौ एकड़ बाइपास स दक्षिण
- एक हजार एकड़ फतुहा रेलवे स्टेशनक आसापास
- दू हजार एकड़ हाजीपुर में

बदली जायत

- गर्दनीबागक इलाका पूरा बदलि जायत, नव मोहल्ल बनत
- दीघाक इलाका
- पटना-दानापुर रोडक दूनू भाग नव मोहल्ल बनत
- पहलेजा आब पटनाक मोहल्ला बनत

फूटपाती दुकानदारक लेल विशेष बाजार

शहरी फेरीवाला सब लेल पटना नगर निगम एकटा विशेष बाजार बना रहल अछि. वेंडर मार्केट नामक इ बाजार मुख्य रूप से फूटपाती दुकानदार के बेहतर वातावरण देवा लेल बनाउल जा रहल अछि. पटनाक भीड़वाला इलाकाक लग मे वेंडर बाजार लेल जमीन ताकल जा रहल अछि. विभागक सूत्रक अनुसार 2008क अंत धरि इ बाजार बनी के तैयार भ जायत.

दिल्ली हाटक तर्ज पर बनत पटना हाट

बाकीपुर जेलक आसापसक इलाका बदली रहल अछि. जेल परिसर क आसापास दिल्ली हाटक तर्ज पर पटना हाट बनाउल जा रहल अछि. एहि संबंध मे बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपेंट कॉरपोरेशन आओर सीसीआइसीआइ क बीच उमओयू पर हस्ताक्षर केल गेल अछि. एहि हाटक खुलला स मिथिला चित्रकला समेत बिहारक लोककला के लेल बिहार में एकटा नीक बाजार उपलब्ध भ जायत.

तरकारी लेल बनत टर्मिनल मार्केट

बिहारक किसान के सबसे बेसी दिक्कत बाजारक अछि. सरकार किसानक सुविधा लेल राजधानी पटनाक आसपास तरकारीक टर्मिनल बना रहल अछि. योजनाक अनुसार 70 एकड़ भूमि मे बनि रहल टर्मिनल मे किसानक लेल कोल्ड स्टोरेज आ ठहरैक सेहो व्यवस्था रहत. पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत 59 करोड़क लागत स टर्मिनलक निर्माण भ रहल अछि. टर्मिनलक लेल पोठही कृषि फार्मक 50 एकड़ जमीन लेल गेल अछि. सरकारक अनुसार जेकरा लग 75 एकड़ जमीन अछि ओ अपन टर्मिनल सेहो बना सकैत अछि.

तीन टा मल्टीप्लेक्स बनब शुरू

राजधानी पटना में कुल तीन टा मल्टीप्लेक्स बनब शुरू भ गेल. एतिहासिक मोना टूटि रहल अछि. ओकर जगह पर मल्टीप्लेक्स बनत. एकटा मल्टीप्लेक्स कंकड़बाग में बनि रहल अछि. एकटा पाटलिपुत्र में बनि रहल अछि. ओना ओकर काज शुरू नहि भ सकल अछि, मुदा आशा करैत छी जे जल्द शुरू होयत.

हुडको बनाओत मकान

ग्रेटर पटनाक इलाका विकसित हुए लागल. फुलवारी,दानापुर व खगौल मे हुडको नुमं योजनाक तहत 700 स बेसी मकान बना रहल अछि. एहि काज लेल हुडको के कुल 48 करोड़ से बेसी टाका खर्च करबाक छैक. मकान बनेवाक संग-संग नाला, पाइन आओर कजराक प्रबंध सेहो करवाक जिम्म हुडको के देल गेल अछि. इ मकान मुख्यरूप स झोपड़ी में रहैयवाला गरीब लोक के देल जायत.

कचरा प्रबंधन पर खर्च होयत 41 करोड़

पटना स प्रतिदिन निकलैयवाला कचरा आब नगर निगम लेल समस्या नहि रहत. प्रतिदिन 800 टन कचरा के प्रबंधन पर निगम 41 करोड़ खर्च क रहल अछि. निगम पटना-गया रोड पर बैरिया में 50 एकड़ जमीन पर कचरा के प्रसंस्करण करवा लेल एकटा यूनिट स्थापित क रहल अछि. निगमक योजना अछि जे प्रतिदिन जमा हो इवाला कचरा स 60 मेगावाट बिजली बनाउल जैत. एहि काज लेल किछु निजी कंपनीस गप भ रहल अछि.

जलापूर्ति पर खर्च होयत 32 करोड़

पटना में जलापूर्तिक 13 टा योजना पास भ गेल अछि. एहि योजनाकें पूरा करबा में 32 करोड़ टाका खर्च होयत. योजना सं पश्चिम आओर दक्षिण पटना विशेष रूप स लाभान्वित हायेत. एहि वित्तिय वर्ष में एहि योजना लेल 15 करोड़ टाका देल जा चुकल अछि. आशा अछि अगिला दू साल में इ काज पूरा भ जायत.

बेली रोड मे बनत उपरि पुल

पटना क बेली रोड में 50 करोड़क लागत स उपरि पुल बनत. इ पुल शहर मे दसम उपरि पुल होयत. राजेंद्र नगर में उपरि पुल पहिने स अछि. चिड़ैयाटार में नवका पुल बनि रहल अछि. एकर संगहि सात टा और पुल बनि रहल अछि, जाहि मे से पांच टा एहि साल चालू भ जायत. आशा करैत छी जे पटनाक रोड स जाम हटत.

पोल आओर तार स छुट्टी भेटत

राजधानी पटना के सुंदर बनावा में सरकार कोनो कोर कसैर नहि छोड़ी रहल अछि. ओझरायल तार आओर डेग-डेग पर गाड़ल पोल आब पटनाक कोनो मोहल्लस मे नहि भेटत. सरकार जमीनक भीतर तार गाड़बाक कार्य आरंभ के चुकल अछि. बेली रोड सहित पश्चिम पटनाक इलाका में तार गाड़बाक काज तेजी स चलि रहल अछि. इ काज के तीन भाग में पूरा केल जायत. पूरा काज होबा में लगभग चारि सालक समय लागत. कहल जा रहल अछि जे पोल आओर ओहि पर लटकल तार से पटना के मुक्त करवा में 1300 करोड़ टाका खर्च होयत. उम्मीद केल जा रहल अछि जे नव व्यवस्था स बिजलीक चोरी रूकत, मुदा आशंका इ अछि जे अगर माटी कोरि के अगर कियो चोर केबुल स बिजली चोरेबाक प्रयास करत त ओकर जानक संग-संग पूरा हरक जान पर खतरा आबि जायत. ओनाओ केबुल साट केलापर की होयत एकर अदाजा लगैब कठिन अछि.

गंगाक कछैर मे बनत मैरिन ड्राइव

राजधानी पटनाक विकासक लेल अनेक योजना बनि रहल अछि. एहि योजना में सबसे महत्वपूर्ण योजना अछि गंगाक कछैर में बनेयवाला मैरिन ड्राइव. ओना इ योजना बहुत पुरान अछि. 1970 के आसपास इ योजना पर पहिल बेर विचार केल गेल. सरकार टाका सेहो जमा केलक. मुदा सवाल उठल जे पहिने गंगा पर पुल बनाउल जे या कछैर मे रास्ता. कारण इ जे केंद्र सरकार पटना- हाजीपुरक बीच प्रस्तावित गंगा पर पुल लेल कोनो सहायता देवा लेल तैयार नहि भेल. अततः राज्य सरकार अपनहि दम पर महात्मा गांधी सेतुक निमार्ण केलक. दरअसर जे टाका स गांधी सेतुक निर्माण भेल ओ मैरिन ड्राइव लेल जमा केल गेल छल. तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्ननाथ मिश्र पुल के पूरा बनवा स पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी स उदघाटन करवा अपन पद त बचा लैलथि, मुदा केंद्र स पुल पर खर्च भेल टाका नहि मांगी सकलैथि. अपूर्ण पुल चालू भ गेला स पुल समय स पूर्व जर्जर भ गेल. नव सरकार सडक आ पुल दूनू बना रहल अछि.

खट्टर काका कहलनि

पैरवी पुत्रक पहिल उदाहरण छथि गणेश

खट्टर काका नीतीश सरकार पर तमसायल छथि. योग्यताहीन पुत्रक नौकरी लेल बड़का स बड़का अधिकारीक पैरवी नहीं चलि रहल छैन. बिहार में लाखक संख्या मे नौकरी पैदा भय रहल अछि, मुदा पैरवी पुत्रक उपेक्षा काका स आब बरदास्त नाहि भय रहल छैन.

काकाक कहैत छथि जे नीतीश हिदू सभ्यताक खिलाफ काज कय रहल छथि. साक्षात महादेवक बनाओल परंपरा आइ बिहार मे खतम भय रहल अछि. महादेव आओर पैरवीपुत्रक! ऐहि परंपराक संबंध में काका के अपनहि तर्क छैन.

काका कहैत छथि कि महादेव पहिल पिता छलाह जे अपन कोनो काज करबा में अयोग्य अपन पुत्र के पैरवी से एकटा महत्वपूर्ण पद पर नौकरी धरा देलेनहि. विस्तार स पूछला पर काका पोथि उलटावे लगलाह. कुछ पन्ना उलटेलाक बाद कहलैनि सुनह खिस्सा ऐहि परंपराक जनमक.

एक दिन महादेव ध्यान में छलाह. गौरी आबि बगल मे कहलखिन जे ध्यान में रहला स बेटा नाहि सुधरताह. कार्तिक अपन ज्ञान आओर स्वभाव स नौकरी पाबि गेलाह, मुदा गणेश क किछु मे मोन नाहि लगैत छैन. मित्रो.. नीक नाहि छैन. जीवन केना चलतैन. महादेव किछु सोचलाक बाद धीरे से कहलैन, देखैत छी की भय सकैत छैक. मुदा गौरी कतय माने बाली, ओ तुरंत ब्रम्हा कय समाद देलखिन कि महादेव भेंट करय चाहैत छथि. महादेवक समाद सुनि ब्रम्हा चिंतित भय कैलाश पहुंचलाह. महादेव हुनका देखतहि कहलैथि, गौरीक जिद्‌क आगू हम विवश छी, गणेश के कोनो नौकरी नाहि भेटतैन. ब्रम्हा किछु सोचलाक बाद कहलैथि, हे नीतिश गणेश अपनेक पुत्र छैथि, हुनका लेल नौकरीक कोन कमी, मुदा हमर विभाग में जे पद रिक्त अछि ओ अहांक पुत्रक लायक नहि अछि. गणेशक लेल विष्णु के कियेक नाहि कहैत छियेन. अच्छा, हमहि विष्णु स गप करैत छी. इ कहि ब्रम्हा कैलाश स सीधा विष्णु लग गैलाह. गणेशक नौकरीक संबंध मे सुनि विष्णु माथ पकड़ि लेलथि. कहलैथ जे गौरी व महादेवक पुत्र गणेश के कोनो नौकरी नहि दय सकैत छी, दरअसर ओ कोनो जोकरे नाहि छैथि. मुदा इ गप महादेव आ गौरी स कहत के? ब्रम्हा कहलैथि, इ सब गप ठीक अछि. कार्तिक लेल महादेव कहियो मुह नाहि खोललैथि. हुनक मुहक लाज त राखह परत. आखिर ओ अपन सबहक मित्र आ एकटा पैघ पदाधिकारी छैथि माथि धय विष्णु कहलैनि, मुदा गणेश चपरासी त नाहि बनता?

आओर पदाधिकारी जोकरक हुनक डिग्री नाहि अछि. अहि कहू महादेवक पुत्र छोट पद पर कोना काज करि सकताह. महादेवक इज्जतक किछु त ध्यान राखय पड़त. मुदा नौकरी त कोनो दियए पड़त. इद्र स रिक्त पदक फाइल मंगा के कोनो जोगार करैत छी.

विष्णुक समाद पाबि इंद्र तुरंत हाजिर भेलाह. स्वर्ग में रिक्त पदक संख्या पूछला पर इंद्र धीरे स कहला , एकटा, से हो द्वारपालक अर्थात 'वॉच मैन'.

द्वारपाल, महादेवक पुत्र द्वारपाल बनताह, विष्णु तमसाह गेलाह. विष्णु के शांत करैत ब्रम्हा कहलैनि गणेशक योग्यता एहि स उपर नाहि अछि आओर रिक्त पद सेहो एकेटा अछि. एहन में इ नौकरी गणेश लेल ठीक रहत.

तीनू गोटे कैलाश पहुंच महादेवक सामने प्रस्ताव रखलैथि. महादेव गंभीर भय गैलाह, कहलनि गौरी के स्वीकार छैन त हमरा कोनो हर्ज नाहि. गौरीक उत्तर नाहि मे छल. कहू त एकटा मय पदाधिकारी रहतैय आ दोसर द्वारपाल. जगत में कोई गणेश के इज्जत करतैय. हमर बेटा के त पेटो नाहि भरत.

गौरी के शांत करैत विष्णु कहलैत, नाहि एहन नाहि हैतेई.गणेश सामान्य द्वारपाल नाहि हेताह. स्वर्ग में विराजमान कोनो पदाधिकारी अर्थात 'भगवान' से भेंट गणेशक आज्ञा से होयत. बिना गणेशक अनुमतिक कोनो भगवान स भेंट नाहि होयत. इंद्र कहलैथि, स्वर्गक द्वारपाल अधिनियम में संशोधन होयत आब कोनो काजक आरंभ गणेशक अनुमति से होयत. महादेव कहलाह, बस करु, बहुत भेल, एतेक अधिकार त कोनो भगवान लग नाहि अछि. गणेश काफी पावरवाला पद पाबि गेलाह. गौरी सेहो प्रसन्न भेली. आ जन्म भेल पैरवीपुत्रक परंपरा जे आइ धरि चलि रहल अछि. पैघ लोकक बुरियाइल अर्थात बिगड़ल बेटाक नौकरी लेल नियम-कानून तक बदलि देल जाइत छैक. मुदा बिहार में इ खतम भ रहल अछि, काका एकर विरोध करि रहल छैथि काका के इच्छा छैन जे अहू विरोधक श्री गणेश करि.

कथा कहैत-कहैत बनि गेलहु कथाकार

- मैथिली मे कहियो पठनीयताक कमी नहि भेल
- दहेज प्रथा के खतम करवा लेल प्रेम विवाह जरूरी
- जे भोगैत छी, ओतवे कागजो पर उतरैत अछि
- 21वीं सदी मे पहचान बचेवा लेल संघर्ष करए पड़त
- समयक संग बदलल साहित्य क भविष्य

मैथिली मे साहित्य अकादमी पुरस्कार-2006क लेल चयनित प्रदीप बिहारी से भेंटवार्ता

समदिया

पटना : मैथिली कथासंग्रह सरोकार के लेल साहित्य अकादमी स एहि साल पुरस्कार पाबैयवाला नवतुरिया कथाकार प्रदीप बिहारी कहानी लिखवा स पूर्व कहानी सुनवैत छैलाह. 25 फरवरी के प्रदीप के दिल्ली मे साहित्य अकादमीक सम्मान भेटत. प्रदीपक अनुसार नेनाकाल मे ओ अपन दादी के मिथिला-मिहिर मे छपल कहानी सुनावैत छलाह. श्री बिहारी कहैत छैथि जे कहानी सुनेवाक कला धीरे-धीरे कहानी लिखावाक मे बदली गेल. महज 13 सालक प्रदीप संकोच नामक कहानी लिखलाह. इ हुनक पहिल प्रकाशित कहानी अछि. संकोच लालधुआं नामक पत्रिका मे छपल. श्री बिहारी के कहब छैन जे मैथिली में कहियो पठनीयताक कमी नाहि रहलै. आइ स दस वर्ष पूर्व धरि किछु हद त छल. लोक किताब किनवा स कतरैत रहथि, मुदा आइ मैथिलीक किताब काफी बिका रहल अछि. प्रदीपक एखनि धरि तीन टा कहानी संग्रह, दू टा उपन्यास आओर लघु कथा संग्रह प्रकाशित भय चुकल अछि.

मधुबनी जिलाक सजौली गामक कन्हौली मल्लिक टोलाक रहनिहार प्रदीप संप्रति बेगुसराय स्थित बैंक में नौकरी करैत छैथि. प्रदीप कहैत छैथि जे हुनका उम्मीद नहि छल जे पुरस्कार लेल हुनकर चयन होयत. ओ एहि सम्मान के अपन रचना यात्रा मे एकटा बाधक के रूप मे देखैत छैथि. हुनक कहब छैन जे एहन पुरस्कार भेटला पर एकटा लेखक के समाज आ साहित्यक प्रति जिम्मेदारी बढ़ि जाइत अछि.

प्रदीपक अनुसार हुनक लेखन में कोनो पैघ लेखकक प्रभाव नहि अछि, मुदा हरिमोहन झा, जीवकांत, रेणु जेहन किछु लेखक स ओ जरूर प्रभावित छैथि. एखन धरि प्रकाशित अपन रचना मे प्रदीप के मकड़ी आ सरोकार संतुष्ट करैत छैन. ओना प्रदीपक कहब छैन जे हुनकर सबसे नीक रचना एखाक बाकी अछि. मकड़ी के संबंध मे कहल जाइत अछि जे महिला विमर्श पर आधारित इ रचना लिखबा स पूर्व प्रदीप लगभग दू साल तक शोध केलाह. सरोकार मुख्य रूप से सिमरिया घाटक खिस्सा अछि. एहि रचना मे देखाओल गेल अछि कि केना एकटा अनपढ़ आदमी पढ़ल-लिखल लोक स बेसी पर्यावरणक चिंता करैत अछि.

रचना लेल विषयक चयन के संबंध में प्रदीप कहैत छथि जे ओ जे भोगैत छैथि ओतवे लिखैत छैथि. हुनक मत अछि जे मिथिला में राक्षक रूप लय चुकल दहेजक उन्मूलन लेल प्रेम-विवाह के बढ़ावा भेटवाक चाही. प्रेम-विवाह स बहुत समस्याक समाधान भय सकैत अछि.

प्रदीपक कहब छैन जे समयक संग जे समाज बदलि जाइत अछि ओ समाज आगू बढ़ैत अछि. मुदा 21वीं सदी में वैश्वीकारणक एहि दौर मे अपन पहचानक प्रति साहित्यकार के सचेत रहब आवश्यक अछि. प्रदीप के अनुसार मैथिलीक नवतुरिया साहित्यकार सेहो सचेत छैथि. एहि कारण मैथिली साहित्य भविष्य सुरक्षित अछि.

अप्पन कैंपस : पटनाक एकटा कॉलेज मे लीजर क्लासक दौरान रौद में बैसल विद्यार्थी.

गोनू झाक सलाह

गोनूक झाक अट्‌ठारहम पीढ़ी मधुबनी जिलाक हाटी गाम मे बसैत अछि. इ सलाह हुनक एकटा वंशज स लेल गेल अछि.

प्र : गोनू बाबू हम शिक्षक छी मुदा अपन विषय नहि पढ़ सकैत छी. तो करी केना बचत ?

गोनू : किछु चिंता गप नहि. घंटी बजलाक 15 मिनटक बाद कक्षा में जाउ आओर अपन वरीय पदाधिकारिक गुणगान सुनाउ.

प्र : गोनू बाबू हमर बेटाके पढ़े मे मोन नहि लगैत अछि. कोना निराकरण बताउ

गोनू : खानदान मे नेताक जनम गेल अछि. निश्चिंत रहू.

प्र : गोनू बाबू कार्यालय में एकटा सहयोगी बोस लग बैसि हरदम हमर निंदा करैत अछि. हल बताउ.

गोनू : अहां अपन कोनो कठिन काज बिना हुनका पुछने पूरा नहि करू. खासकर ओएह काज जेकर निर्णय कठिन अछि.

प्र : हमरा एकटा मित्र से टाका वसमलवाक अछि. हल सुझाउ

गोनू : ओकरा गोनू झाक खिस्सा सुनाउ

प्र : गोनू बाबू कनिया स बचवाक कोना उपाय अछि?

गोनू : शक्त धर्म अपनाउ आ मास में एक बेर सासुर जाउ

प्र : गानू बाबू हमर होटल व्यवसाय अछि. ग्राहक कोना बढ़ाउ?

गोनू : अपन पड़ोसी होटलक भनसिया के पटाउ आओर ओकरा स मसाला अधिक खर्च कराउ.

प्र : गोनू बाबू हम किसान छी, मुदा किसान रत्न पुरस्कार नहि भेटैत अछि.

गोनू : नदिक कछैर मे खेती करू. बाढ़िक दावा ठोकू, जे कहांक खेत समृद्ध छल. सरकार मानि लेत.

प्र : गोनू बाबू विदेश जे जाहैत छी कि करी?

गोनू : नेट पर बैस महिला मित्र बनाउ, अबैय-जायक खर्चा सेहो भेटि जायत.

प्र : गानू बाबू कवि बनय चाहैत छी, रास्ता बताउ?

गोनू : कोनो युवती स स्नेह करू. चोट पहुंचत त अपनेहि कविता बनी जायत

एकटा महाराज जे उद्योगपति छलाह

हुनका आइ धरि भारत सरकार या बिहार सरकार उचित सम्मान नहि देलक. हुनक जयंती आओर पुण्यतिथि तक राजकीय पर्व नहि अछि. हुनक दू टा महल में दू टा विश्वविद्यालय चलैत अछि, मुदा हुनक प्रतिमा कतहु नहि स्थापित भेल. दुख त तखन होइत अछि जगन्नाथ मिश्र सन नेता कहैत छैथि जे हुनक महल सरकार किनलक. जग्गूबाबू के कोना बुझाउ कि एक रुपया में त ईटो नहि भेटैत अछि, महल कोना भेटत.

रूपेश्वर सिंह

ब्रिटेनक आर्थिक इतिहास में दरभंगाक जमींदार महाराज कामेश्वर सिंहक उदाहरण एकटा एहन जमींदारक रूप में भेटैत अछि जे जमींदारी स बेसी एकटा उद्यमीक रूप में अपना के स्थापित करवा मे सफलता पाओलैथि. दस्तावेज कहैत अछि जे महाराज एहन दूरदर्शी छलाह कि 20वीं सदीक आरंभ मे हुनका लोकतंत्रक भविष्यक आभास भ गेल. एहन मे ओ अपन जमींदारीक माध्यम स उद्योग स्थापना शुरू कैलैथि. अपन इलाका में चीनी आओर जूटक संगहि कागज उद्योगक जाल बिछा देलैथि. हवाइ यातायातक भविष्य देखि दरभंगा एविएशनक स्थापना कैलैथि. मौटर व्यवसाय से जुड़ि रॉलस राइस क भारत में वितरक बनलैथि. सूचना क्रांति क महत्व दैत प्रकाशनक क्षेत्र में ठोस पहल कैलैथि. कोलकाता आओर पटना में अपन प्रकाशनक माध्यम से सूचना क्रांतिक शुरुआत कैलैथि. 20 वीं शताब्दीक मध्य में ब्रिटेन सरकार हुनक दूरदर्शिताक देखि एतेक प्रशन्न भेल जे भारतक संग आओर देशक जमींदार के डा कामेश्वर सिंहक रास्ता पर चलवा लेल प्रेरित करवा लेल प्रयास केलक. एकर संगहि महाराज के सर उपाधि स सम्मानित केलक.

दोसर विश्व युद्धक बाद दुनियाक बदलैत भूगोल आ इतिहासक ज्ञान महराज के अद्‌भुत छल. ओ कहियो कांग्रेसक मंच पर नहि गेलाह, मुदा अनेक बेर ओहि मंच लेल धन दान कैलैथि. भू-दान आंदोलन में हजार बिगहा जमीन दान करि एक प्रकार स ओ अइ आंदोलन के बिहार में पनपए नहि देलैथि. आसानी स जमीन भेटला स विनोबा बाबू बिहार स आगू बढ़ि गेलाह. आओर ओ आंदोलन बिहार में सक्रिय नहि भ सकल.

किछु लोकक कहवा अछि जे राजेंद्र बाबूक राष्ट्पति बनलाह स नेहरू जी एक प्रकार स बिहार विरोधी भ गेलाह. जेकर पहिल प्रकोप महाराज कामेश्वर सिंह के झेलह परल. टाटा आ महाराज दू गोट उद्यमी उद्योगक माध्यम स देशक विकास लेल अपन जमींदारी के बचेबाक प्रयास कैलैथि. टाटा किछु हद तक सफल भ गैलैथि, मुदा दरभंगा महाराजक हार भारत पहिल संविधान संशोधन रूप में सामने आयल. कांग्रेस सरकार महाराज के हरेवा लेल संविधान बनलाक किछु महीना बादे ओहिमे सशोधन करि देलक आओर सिलिंगक नाम पर महाराज के घेरवा मे सफल भेल.

दुनिया बदली गेल लोकतंत्र धीरे-धीरे समेचा विश्व में लोकप्रिय भ रहल अछि. बहुत देश में त गणतंत्र स्थापित भ रहल अछि. नेपाल ओकर ताजा उदाहरण अछि. नेपालक राजा वीरेंद्र समयक संग चलवा में विश्वास करैत छलाह. ओ समय के परखैत नेपाल में लोकतंत्रक स्थापना करि अपन ताज के सुरक्षित करि लेलैथि. मुदा हुनक हत्याक बाद राजा ज्ञानेंद्र मे ओ गप नहि रहल. ओ अपन आंखि बंद केने छैथि. आइ हुनका नेपाल सरकार उद्योगपति बनवा लेल प्ररित क रहल अछि. एक बेर फेर दुनिया दरभंगाक महाराजक उदाहरण प्रस्तुत केलक. संयोग एहन जे 2007-8 महराजक जनम शताब्दीक साल थिक. महाराजक योगदानक चर्चा एक बेर फेर हुए लागल अछि.

लेकिन सवाल अछि जे महाराज संविधान समाक सदस्य छलाह. राज्यसभाक सदस्य रहैत मरलाह, मुदा हुनका आइ धरि भारत सरकार या बिहार सरकार उचित सम्मान नहि देलक. हुनक जयंती आओर पुण्यतिथि तक राजकीय पर्व नहि अछि. हुनक दू टा महल में दू टा विश्वविद्यालय चलैत अछि, मुदाहुनक प्रतिमा कतहु नहि स्थापित भेल. दुख त तखन होइत अछि जगन्नाथ मिश्र सन नेता कहैत छैथि जे हुनक महल सरकार किनलक. मुदा जग्गूबाबू के केना बुझाउ इ एक रुपया में त ईंटो नहि भेटैत अछि, महल केना भेटत. राजनीति अपन जगह अछि, मुदा इतिहास के बदलल नहि जा सकैत अछि. महाराजक महल पर ककरो नाम लिखि देला स हुनक प्रांगण में ककरो प्रतिमा लगा देलाह स अगर राजनीति सफल होइत त जगन्नाथ मिश्र आइ बिहारक सबसे महान नेता रहितैथि. मुदा ओ मुखियाक चुनाव जितवाक स्थिति में नहि दैथि. हुनक किछु पाप हुनक पुत्र नीतिश धो रहल छैथि भगवान नीतिश के स्वस्थ राखथि, हम आइ बिहार निमार्णक गप करैत छी. एहि में महाराजक योगदान के अलग राखि कोनो शुरूआत नहि भ सकैत अछि.

समाद
पटना, 15 जनवरी, 2008

एकटा आओर प्रतिमान

देशक पहचान आ मध्यम वर्गक अप्पन कार छी नैनो

अमेरिकाक लोक क लेल बनल आम आदमीक कार के सौ साल बाद भारतक आम आदमीक लेल कार बनेवाक सपना पूरा भेल. 1908 में कार उद्योगक पुरोधा हेनरी फोर्ड अमेरिकाक आम आदमीक लेल माडल-टी कार बनाउलथि. फोर्ड क सब स महग ब्रांड जगुआर किननिहार टाटा के आइ स पांच साल पहिने एकटा दृश्य झकझोरि देलक. एक अदद स्कूटर पर आगू मे बच्चा, पिता चलबैत आओर पाछू मे कनिया आ ओकर कोरा मे बच्चा जे बूंदा-बूंदी स बचबा लेल माय के आंचर मे नुकायल छल. टाटा ओहि क्षण तय केलथि जे एहन परिवार लेल एकटा कार बनाओल जाए, जे स्कूटर स किछु बेसी टाका मे लोक कीन सकए. टाटाक इ सपना पूरा भारतक सपना बनि गेल. टाटा लगातार पांच साल तक अपन 500 अभियंता आओर 1500 करोड़क पूंजी स एहि सपना के पूरा करबा लेल दिन-राति लागल रहला एक लाख टाका मे कार बेचबाक हुनक प्रतिज्ञा पर दुनिया भरिक लोक हंसी उड़ेलक, मुदा टाटा आओर भारतीय मध्यम वर्गक आशाक डोर नहि टूटल. अंततः 10 जनवरी, 2008 के नैनोक रूप मे लखटकिया कार सामने आएल. नैनो के दुनियाक सामने आनैत टाटाक आंखि छलैक गेल. दुनियाक कार उद्योग चकित भ गेल. दुनिया भरिक मीडिया लिखलेक जे इ काज भारते मे भ सकैत छल. टाटाक अलावा केओ एतेक कम मुनाफा मे कार बेचबाक हिम्मत नहि जुटा सकैत अछि. अमेरिकी लेल जेना माडल-टी छल, तहिना नैनो सेहो भारतीय मध्यम वर्गक अप्पन कार छी.

फोर्ड आओर टाटा मे एकटा अंतर अछि. ओना त दुनू गोटे जनता लेल कार बनोलनि, मुदा फोर्डक सोच छल जे एकटा एहन कार बनाबी जे हुनक कंपनी मे काज केनिहार सभ कर्मचारी ल सकए. एहि सोच पर माडल-टीक निर्माण कएल गेल. माडल-टी बाद मे अमेरिकाक आम लोकक कार बनि गेल. माडल-टीक ठीक सौ साल बाद टाटाक नैनो आयल. आम भारतीयक लेल अप्पन कार. इतिहास दोहरायल, मुदा संगहि बतौलक जे एहन काज सौ साल मे एकहि बेर भ सकैत अछि. लाख टाकाक इ कार दुनिया मे सब स सस्त अछि. एहन कार बनेबाक कल्पना केनिहार मात्र टाटा नहि छथि. इटली आ जर्मनी मे एहि पर कतेको शोध भेल, मुदा कहल गेल जे एक लाख मे कार नहि बनि सकैत अछि. इ कहियो पूरा नहि होइवाला सपना अछि. भारत मे इ सपना सच भेल. टाटा पूरा दुनियाक सोच के फुसि साबित क देलथि.

नैनो दुनिया भरि मे जनक्रांति आनि देलक. आशा कएल जा रहल अछि जे इ सामाजिक बदलाव बनएबा मे महत्वपूर्ण योगदान देत. ओना किछु पर्यावरणविद एकरा स पर्यावरण के होइवाला खतराक प्रति आगाह कएलनि अछि, मुदा तकनीक ओकरो हल समयक संग निकालि लेत. भारत सन विकासशील देशक लेल नैनो हेनरी फोर्डक माडल-टीक जेका मात्र एकटा कार नहि थिक, इ देशक एकटा पहचान आ मध्यमवर्गक गुमान छी. एहि मे दू मत नहि जे नैनो भारतीय अर्थव्यवस्थाक संगहि परिवहनक दुनिया के बदलि के राखि देत. निश्चित रूप से नवंबर मे जखन इ कार बिहार मे आओत त बिहार मे आधारभूत संरचना तैयार करबा लेल सरकारो गंभीर होयत. इ आशा हमरा सम के करबाक चाही.

मोदित्वक जीत स उपजल सवाल

विकास स मोदी जीतला, छवि नहि बदलल

बटोही

> मोदी गुजरात लेल ठीक छथि. गुजरातक सामाजिक आओर भौगोलिक दशाक अनुरूप हुनक विचार अछि, विकास स ओ चुनाव जीत सकैत छथि, मुदा विकास हुनक छवि नहि बदलि सकैत अछि. मोदी एखन तक चांदीक गुजरात नहीं बनौलेथि अछि, जखन सोनाक लंका बना देनिहार राक्षसे रहला त मोदी आदर्श नेता कोना भ जेताह. कम-स-कम भारत मे त नहि भ सकत.

जेना सब कियो अनुमान लगेने रहि, तहिना गुजरातक परिणाम सामने आयल. नरेंद्र मोदी विधानसभा चुनाव जीत लेलथि. नव रहल त सिर्फ जीतक अंतर. कांग्रेस आशा स बेसी खराब प्रदर्शन केलक. नरेंद्र मोदीक जीत स किछु गप उठल, जाहि में विकास सबसे प्रमुख रहल. कहल गेल से गुजरातक विकास मोदीक छवि बदलि देलक. विकासक आगू सब किछु हारी गेल. नहि त विहिप आओर पार्टीक विरोधक बावजूद मोदी केना जीत हासिल कैलैथि. मोदीक जीत स हुनका प्रधानमंत्रीक दावेदार कहल गेल. पत्रकार लोकैन बिसरी गेला कि मोदी गुजरातक मुख्यमंत्री बनि सकैत छैथि, मुदा भारत प्रधानमंत्री एकटा राज्यक लोकप्रिय नेता नहीं बनि सकैत अछि. आ जहां तक विकास स छवि बदलवाक प्रश्न छैक त इ हिंदू लौकनि के संस्कार मे नहि अछि. अपन राज्यक विकास त रावणो केने रहै, मुदा ओ राक्षस स देवता नहि भ सकल. गुजरात स पैघ उत्तरप्रदेश आ राजस्थान सन राज्य अछि जतय राज्यस्तर पर अनेक नेता भेला आओर छैथि जिकर राज्य मे मोदी सन दबदबा छैनि या रहैन. ओ देशक नेता नहि बनी सकला. यूपी मे माया, बिहार मे लालू, मराठा राजनीतिक पुरोधा ठाकरे एहन नाम अछि जे कहियो मोदी स बेसी राज्य मे लोकप्रिय छलाह या छैथि,मुदा भारतीय राजनीति में हिनक उपस्थिति नगण्य अछि. सवाल पैदा होइत अछि जे मोदी गुजरात लेल ठीक छैथि. गुजरातक सामाजिक आओर भौगोलिक दशाक अनुरूप हुनक विचार अछि, मुदा भारत में मोदी,ठाकरे, लालू आओर माया सन राज्यस्तर पर लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्रीक दावेदार नहि भय सकैत छैथि. आओर जहां तक विकासक सवाल अछि त मोदी एखन तक सोनाक गुजरात नहीं बना सकलेथि. जखन सोनाक लंका बना देनिहार राक्षसे रहला त मोदी आदर्श नेता कोना भ जेताह. कम-स-कम भारत मे त नहि भ सकत.

समाचार स दूर होइत राजनीति आ अपराध

कहल जाइत रहल जे समाचारक समबसे बिकाउ विषय राजनीति आओर अपराध होइत अछि मुदा पिछला किछु साल स इ दूनू विषयक प्रति लोकक जिज्ञासा कम भ रहल अछि. जेकर मुख्य कारण आम लोक मुद्दा आब राजनीति में नहि उठाओल जा रहल अछि. सड़क, बिजली आओर पाइन पर कोनो दल आंदलन नहि करैत अछि. अखबार आओर टीवी पर लोक राजनीति स बेसी खेल आ मनोरंजनक सामग्री बेसी पसंद करैत अछि. नयी दिल्ली स्थित मीडिया शोध केंद्र सीएमएस के अनुसार 2007 में खबरिया चैनल पर राजनीति स संबंधित समाचार लगभग गायब रहल. मनोरंजन, खेल, लोरुचि आओर किछु हद तक अपराध स संबंधित समाचार लोक देखबा में व्यस्त रहल. कहबाक मतलब इ जे लोक आब अपराध आओर राजनीति स अकछ भ गेल अछि. आइ खबरिया चैनल कोनो कार्यक्रम राजनीति स जुड़ल देखेबाक हिम्मत नहि जुटा रहल अछि. प्राइम टाइम पर सेहो हंसी-मजाकवाला कार्यक्रम आबि रहल अछि. एतबे नहि आजतक आओर स्टार त समाचार के खेल आओर बालिवुड तक सिमित राखि लोकप्रियता बरकरासर रखने अछि.

पैध-पैध घोटाला आइ चैनल पर जगह नहि पाबि रहल अछि. प्रधानमंत्रीक दर्शनो दूरदर्शन पर होइत अछि. पिछारी हुए या नंदिग्राम खबरिया चैनल पर अमिताभक बेटाक विवाह देखबैत रहल. लोक आकरा देखबा लेल तैयार छैलथि. नंदीग्राम या निठारीक दर्शकक संख्या नित्य घटल जा रहल अछि. दर्शनक पैघ टोली के अपना लग रखबा लेल खबरिय चैनल कोनो सीमा तक जाइ लेल तैयार अछि. ओना अखबारक दुनिया में सेहो बदलाव आयल अछि. दैनिक भास्कर सन अखबार आम लोकक सुविधा के राजनीति आओर अपराध स बेसी महत्व द रहल अछि. बिहार में प्रभात-खबर एहि बाट पर चलि रहल अछि. ओना जागरण सन किछु अखबार अछि जे एखनो मानि रहल अछि जे राजनीति आओर अपराध सबसे बिकाउ अछि. मुदा बिहार के बदलैत माहौल स इ भान भ रहल अछि जे ओ दिन दूर नहि जखन राजनीति आओर अपराध पर आन विषय सवार भ जायत. इ विकास लेल जरूरी अछि आ आशा अछि जे बिहारक विकास मे अखबारक इ रूप सहायक होयत.

अंक-1, साल-1, रजिस्ट्रेशन- आवेदित, स्नेह-छवि मिथिला स्कूल ऑफ आर्ट के लेल मुद्रक, प्रकाशक मवेश नाथ द्वारा प्रकाशित आओर सपादक डाट वर्डप्रेस डाट काम स इटरनेट संस्करण प्रकाशित
प्रधान समदिया : दरभंगी, प्रबंध समदिया : ममता शंकर, समदिया : कुमुद सिंह (खबरक चयनक लेल जिम्मेदार).